आयुर्वेद दिवस

मानव और धरती के लिए आयुर्वेद

सितम्बर 22, 2025

"आयुर्वेद के अनुसार: हिता-हितम्सुखम्दुखम्, आयुःतस्यहिता-हितम्। मानम्चतच्चयत्रउक्तम्, आयुर्वेदसउच्यते॥

*यानी, आयुर्वेद कई पहलुओं का ध्यान रखता है। यह अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु को सुनिश्चित करता है। आयुर्वेद को एक समग्र मानव विज्ञान के रूप में वर्णित किया जा सकता[1] है।" –*प्रधानमंत्री *श्री नरेन्द्र* मोदी

मुख्य बातें
• आयुर्वेद दिवस 2025 का विषय **'मानव और धरती के लिए आयुर्वेद'** है। • विश्व आयुर्वेद फाउंडेशन द्वारा स्थापित **विश्व आयुर्वेद कांग्रेस (डब्ल्यूएसी)** विश्व आयुर्वेद को विश्व स्तर पर बढ़ावा देने और वर्तमान वैश्विक स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों से इसे जोड़ने के लिए द्विवार्षिक रूप से आयोजित की जाती है। • आयुष मंत्रालय ने महाकुंभ, 2025 के दौरान 8 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कीं।

परिचय

भारत प्राचीन सभ्यता में निहित एक देश है और इसकी अपनी कई स्वदेशी चिकित्सा प्रणालियां हैं, जिनमें से एक ***"आयुर्वेद"*** है। आयुर्वेद शब्द संस्कृत भाषा से लिया गया है जहां "आयुह" का अर्थ है जीवन और "वेद" का अर्थ है विज्ञान या ज्ञान। इसलिए, आयुर्वेद साहित्य का अनुवाद "जीवन का विज्ञान" के तौर पर होता है।

[1]https://x.com/moayush/status/1961752827002568790/photo/1

https://x.com/mdniy/status/1966461526568775718/photo/1

इससे पहले, हर साल चंद्र कैलेंडर के आधार पर देवताओं के वैद्य भगवान धन्वंतरी के सम्मान में धनतेरस पर आयुर्वेद दिवस मनाया जाता था। तारीख हर साल बदलती रहती थी। इसलिए, भारत सरकार ने इसे 2025 से हर साल एक निश्चित दिन, यानी 23 सितंबर को मनाने का फैसला किया। इसे मार्च 2025 में जारी एक राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से अधिसूचित किया गया था।

इस वर्ष का विषय "मानव और धरती के लिए आयुर्वेद" है और इस बात पर जोर देता है कि आयुर्वेद केवल एक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली नहीं है, बल्कि व्यक्ति और पर्यावरण के बीच सामंजस्य के सिद्धांत में निहित एक विज्ञान है।

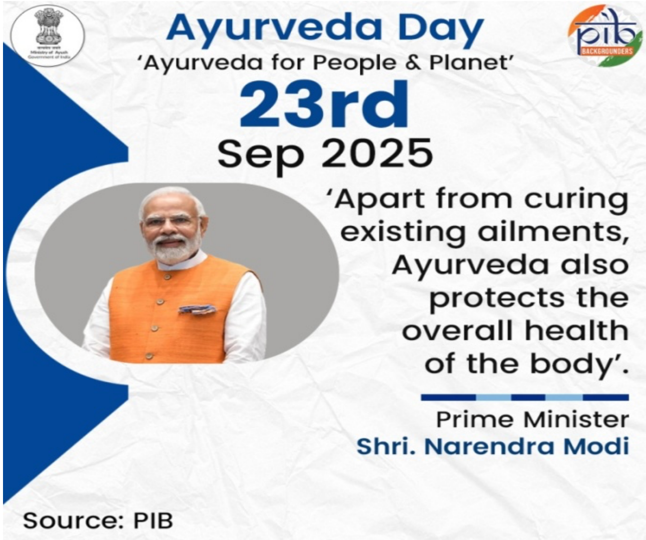

योग और आयुर्वेद

योग और आयुर्वेद स्वास्थ्य और कल्याण की दो परस्पर संबंधित प्रणालियां हैं। जबकि, प्रत्येक अपने आप में एक पूर्ण विज्ञान है, वे पारंपरिक रूप से **शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक स्पष्टता और आध्यात्मिक विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से** पूरक विषयों के रूप में एक साथ अभ्यास करते हैं।

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 11 दिसंबर, 2014 को 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस **के रूप में घोषित** किया। हर साल प्रधानमंत्री अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने में राष्ट्र का नेतृत्व करते हैं।

आयुर्वेद दिवस 2025: मानव और धरती के लिए आयुर्वेद

इस वर्ष आयुर्वेद दिवस समारोह का 10वां आयोजन है, और मुख्य कार्यक्रम गोवा में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) में मनाया जाएगा।

पिछले वर्षों के अनुरूप, **आयुष मंत्रालय** (आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी) ने विदेशों में भारतीय मिशनों, अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय, कल्याण संगठन और प्रवासी नेटवर्क के माध्यम से एक मजबूत वैश्विक पहुंच के साथ-साथ सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में राष्ट्रव्यापी कार्यक्रमों की योजना बनाई है, जो **चिकित्सा की प्राचीन प्रणालियों के पुनरुद्धार और प्रचार** और स्वास्थ्य देखभाल की आयुष प्रणालियों के मनोनुकूल विकास और प्रसार की कल्पना करता है। पिछले साल 150 से अधिक देशों में वैश्विक भागीदारी के आधार पर, आयुर्वेद दिवस 2025 का उद्देश्य पारंपरिक और समग्र स्वास्थ्य प्रणालियों में भारत के नेतृत्व की पुष्टि करते हुए और भी व्यापक अंतरराष्ट्रीय दर्शकों तक पहुंचना है।

इस महत्वपूर्ण आयोजन और वैश्विक आयुर्वेद आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए, समारोह के दौरान कई प्रमुख पहलों और सुविधाओं का शुभारंभ किया जाएगा या उन पर प्रकाश डाला जाएगा:

- **देश का स्वास्थ्य परीक्षण**- राष्ट्रव्यापी स्वास्थ्य जांच अभियान, केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) के माध्यम से एक प्रमाणित स्वास्थ्य मूल्यांकन उपकरण है।
- **द्रव्य पोर्टल** (आयुष पदार्थों के बहुमुखी मानदंड के लिए डिजिटाइज्ड पुनर्प्राप्ति अनुप्रयोग): यह आयुर्वेदिक अवयवों और उत्पादों पर डेटा का सबसे बड़ा संग्रह है जो सभी के लिए आसानी से उपलब्ध कराया गया है। यह एक लगातार बढ़ता हुआ, लगातार विकसित होने वाला डेटाबेस है जो शास्त्रीय आयुर्वेद पाठ्यपुस्तकों के साथ-साथ समकालीन वैज्ञानिक साहित्य और क्षेत्र के अध्ययन को कवर करता है।
- **एपीटीए पोर्टल** (आयुर्वेद में सुधार के लिए प्रशंसनीय व्यक्तित्व): यह भारत के आयुष मंत्रालय के तहत केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) द्वारा आयुर्वेद को संरक्षित करने, अभ्यास

करने और बढ़ावा देने वाले प्रमुख आयुर्वेद चिकित्सकों और दिग्गजों के जीवन और योगदान का दस्तावेजीकरण करने के लिए एक पहल है।

- **गोवा सरकार, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान और टाटा मेमोरियल सेंटर द्वारा एकीकृत** ऑन्कोलॉजी यूनिट का संचालन किया जाएगा
- **स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान और गोवा राज्य जैव विविधता बोर्ड के संयुक्त तत्वावधान** में रणभाजी उत्सव का आयोजन किया जाएगा।
- **अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, गोवा** में केंद्रीय रोगाणुरहित आपूर्ति विभाग**, अस्पताल** लिनन प्रसंस्करण और देखभाल इकाई **और** रक्त आपूर्ति इकाई का **उद्घाटन किया जाएगा।**

आयुर्वेद अवार्ड

आयुर्वेद विशेषज्ञों को सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रेरित करने और प्रतिस्पर्धा के माध्यम से उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने हेतु 23 सितंबर, 2025 को राष्ट्रीय धन्वंतरि आयुर्वेद पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयुर्वेद के प्रचार-प्रसार, शिक्षण/अनुसंधान, विकास/नीति नियोजन, या विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में आयुर्वेद के एकीकरण में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले आयुर्वेद पेशेवरों को यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम)

आयुष मंत्रालय का गठन 9 नवंबर, 2014 को भारत में आयुष (आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी) प्रणालियों के प्रचार और विकास का समर्थन करने के लिए किया गया था, जो 2014 में शुरू किए गए राष्ट्रीय आयुष मिशन के प्राथमिक लक्ष्यों में से एक है। मिशन आयुष प्रणालियों को आगे बढ़ाता है:

- स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना,
- आयुष अस्पतालों और औषधालयों का उन्नयन,
- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी), सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी), जिला अस्पतालों (डीएच) में आयुष सुविधाओं का सह-पता लगाना
- 10 बिस्तरों/30 बिस्तरों/50 बिस्तरों वाले एकीकृत आयुष अस्पतालों की स्थापना

आयुर्वेद को बढ़ावा देने के लिए सरकार की पहल

1. आयुष मंत्रालय ने विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से आयुर्वेद, सिद्ध और यूनानी जैसी पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों को टीएम-2 मॉड्यूल के तहत आईसीडी-11 वर्गीकरण श्रृंखला में एकीकृत किया है - पारंपरिक भारतीय उपचार पद्धतियों को अब आधिकारिक तौर पर दुनिया की मानक चिकित्सा संदर्भ प्रणाली में मान्यता दी गई है। इस पहल का उद्देश्य आयुष स्वास्थ्य सेवा वितरण प्रणाली को मजबूत करना और उसका विस्तार करना, बीमा कवरेज को बढ़ाना, अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देना और समाज में प्रभावी रोग नियंत्रण विकसित करने के लिए मानकीकृत कोड का उपयोग करना है।

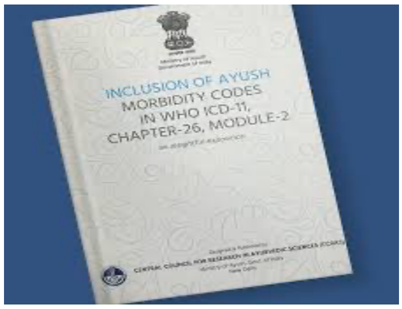

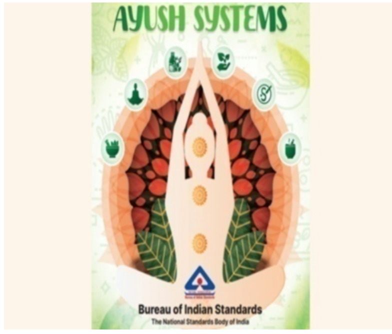

2. **भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने** आयुष क्षेत्र में मानकीकरण **के लिए एक समर्पित विभाग की स्थापना की है**, जो आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों, योग शब्दावली, पंचकर्म उपकरण और परीक्षण विधियों जैसे क्षेत्रों में **91 मानकों** को प्रकाशित करता है। विशेष रूप से, पारंपरिक जड़ी-बूटियों के लिए 80 स्वदेशी मानक उनके सुरक्षित और प्रभावी उपयोग का समर्थन करते हैं, जबकि **पंचकर्म उपकरणों के लिए पहले राष्ट्रीय मानक** देखभाल में स्थिरता सुनिश्चित करते हैं। यह पहल **आयुष प्रणालियों की गुणवत्ता बढ़ाने** और **इस क्षेत्र की** वैश्विक स्वीकृति को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

3. जून 2023 में, **अंतरराष्ट्रीय मानकीकरण संगठन (आईएसओ) ने आयुर्वेद के लिए समर्पित मानक पेश किए, जो आयुर्वेदिक उत्पादों और प्रणालियों की** गुणवत्ता, सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय विश्वसनीयता **सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है**। यह तकनीकी रिपोर्ट आयुर्वेदिक चिकित्सा प्रणाली का एक व्यापक अवलोकन प्रदान करती है, जो **दुनिया भर में स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों में** इसकी व्यापक वैश्विक मान्यता और एकीकरण का मार्ग प्रशस्त करती है।

4. आयुष मंत्रालय ने गुजरात में ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन के लिए **डब्ल्यूएचओ के साथ कई समझौता ज्ञापनों** पर हस्ताक्षर किए हैं। मंत्रालय ने आयुर्वेद की शिक्षा, अनुसंधान और मान्यता के लिए जर्मनी, मॉरीशस, जापान और नेपाल जैसे देशों के साथ समझौतों पर भी हस्ताक्षर किए हैं।

5. **30 से अधिक देशों में आयुष सूचना प्रकोष्ठ** स्थापित किए गए हैं।

6. पश्चिमी सिडनी विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया जैसे विदेशी विश्वविद्यालयों में आयुर्वेद पीठों की स्थापना ने आयुर्वेद को विश्व स्तर पर व्यवहार्य स्वास्थ्य प्रणाली के रूप में और अधिक वैध **बना दिया है**[2]।

7. **विश्व आयुर्वेद कांग्रेस**[3]**:** विश्व आयुर्वेद कांग्रेस (डब्ल्यूएसी) एक द्विवार्षिक कार्यक्रम है जो आखिरी बार 2024 में आयोजित किया गया था। पिछले साल की कांग्रेस का 10वां आयोजन था और यह उत्तराखंड के देहरादून में आयोजित किया गया था। यह 4 दिवसीय कार्यक्रम 12 से 15 दिसंबर 2024 तक आयोजित किया गया था। यह कार्यक्रम विश्व आयुर्वेद फाउंडेशन (डब्ल्यूएएफ) द्वारा आयोजित किया गया था, और इस आयोजन का केंद्रीय विषय "डिजिटल स्वास्थ्य: एक आयुर्वेद परिप्रेक्ष्य" था। स्वास्थ्य सेवा वितरण को

---

[2] https://www.pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=1878058
[3]https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2083942

बढ़ाने और वर्तमान वैश्विक स्वास्थ्य सेवा में आयुर्वेद को एकीकृत करने के लिए डिजिटल उपकरणों और नवाचारों का लाभ उठाने पर चर्चा की गई।

10th WORLD AYURVEDA CONGRESS & AROGYA EXPO

आयुर्वेद के अभ्यास, विज्ञान और व्यापार में अधिक जागरूकता और अवसर पैदा करने के लिए 2002 में कोच्चि में पहली विश्व आयुर्वेद कांग्रेस का आयोजन एक आउटरीच कार्यक्रम के रूप में किया गया था। इसके बाद पुणे, जयपुर, बैंगलोर, भोपाल, दिल्ली, कोलकाता और अहमदाबाद में आयोजित कांग्रेस ने न केवल देश के भीतर आयुर्वेद को बढ़ावा देने में मदद की, बल्कि विश्व स्तर पर इसके प्रचार में भी इसका व्यापक प्रभाव पड़ा।

आयुर्वेद डे 2024[4]: वैश्विक स्वास्थ्य के लिये

9वें आयुर्वेद दिवस पर, प्रधानमंत्री श्री मोदी ने आयुष मंत्रालय के तहत कई प्रमुख पहलों का उद्घाटन किया, जिसमें **अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान का दूसरा चरण, 258.73 करोड़ रुपये की परियोजना** शामिल है। इसमें 150 बिस्तरों वाला पंचकर्म अस्पताल, आयुर्वेदिक फार्मेसी, स्पोर्ट्स मेडिसिन यूनिट, केंद्रीय पुस्तकालय, स्टार्ट-अप केंद्र और अंतरराष्ट्रीय अतिथि सुविधाएं शामिल हैं।

उन्होंने अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए **चार आयुष उत्कृष्टता केंद्र** भी लॉन्च किए:

- आईआईएससी बेंगलुरु - मधुमेह और चयापचय संबंधी विकारों पर केंद्रित है।
- आईआईटी दिल्ली - स्थायी आयुष प्रौद्योगिकियों और स्टार्ट-अप समर्थन के लिए समर्पित।

[4] https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2069378

- सीडीआर लखनऊ - अश्वगंधा जैसे आयुर्वेदिक वनस्पति विज्ञान में विशेषज्ञता।
- जेएनयू नई दिल्ली - सिस्टम मेडिसिन के माध्यम से आयुर्वेद में आणविक तंत्र पर अनुसंधान।

विशेष रूप से, आयुर्वेद दिवस 2024 पर **लगभग 150 देशों** में गतिविधियों का आयोजन किया गया, जो आयुर्वेद की बढ़ती वैश्विक पहुंच की पुष्टि करते हैं।

आयुर्वेद दिवस: 2016 के बाद से पिछले आयोजन

पिछले एक दशक में आयुर्वेद की दुनिया कई गुना विकसित हुई है। भारत सरकार आयुर्वेद के लिए वैश्विक मान्यता और स्वीकृति प्राप्त करने की दिशा में अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करने के लिए कई कदम उठा रही है। इसकी शुरुआत आयुर्वेद दिवस की स्थापना के साथ हुई, जिसे **पहली बार 2016 में पूरे देश में मनाया** गया था। नई दिल्ली में "आयुर्वेद के माध्यम से मधुमेह की रोकथाम और नियंत्रण" पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई थी। इस अवसर पर आयुर्वेद दिवस का लोगो और मधुमेह अनुसंधान पर **"मधुमेह देखभाल के लिए आयुर्वेद"** शीर्षक से एक आयुर्वेद संग्रह का विमोचन भी किया गया।

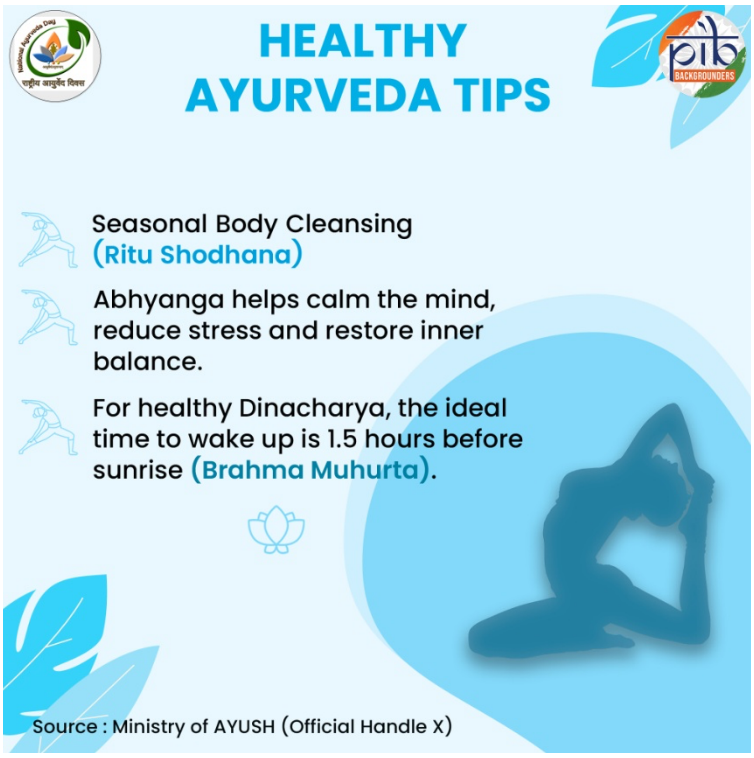

इस साल आयुर्वेद दिवस एक अलग थीम के साथ मनाया जाता है। हाल के कुछ विषयों में दर्द प्रबंधन, कोविड-19 आदि शामिल हैं। 7वें आयुर्वेद दिवस के लिए, आयुर्वेद @ 2047 पर नजर रखते हुए आजादी का अमृत महोत्सव के व्यापक दृष्टिकोण के तहत विषय तैयार किया गया था। आयुर्वेद दिवस 2022 समारोह को गृह मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, शिक्षा मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय, महिला एवं बाल विकास

मंत्रालय, उपभोक्ता कार्य, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय और अन्य के सक्रिय समर्थन से संपूर्ण सरकारी दृष्टिकोण के रूप में निष्पादित किया गया था। विदेश मंत्रालय ने अपने मिशनों/दूतावासों के सहयोग से वैश्विक मंच पर कार्यक्रम आयोजित किए।

2023 में 8वां आयुर्वेद दिवस **'एक स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद'** विषय के साथ मनाया गया। इस विषय में मनुष्यों, जानवरों, पौधों और पर्यावरण की परस्पर भलाई पर जोर दिया गया। भारत की जी20 अध्यक्षता की थीम 'वसुधैव कुटुम्बकम' के अनुरूप, आयुष मंत्रालय ने किसानों, छात्रों और जनता को लक्षित करते हुए राष्ट्रव्यापी गतिविधियों का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य कृषि-आयुर्वेद, टिकाऊ कृषि और विभिन्न क्षेत्रों में समग्र स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देना है।

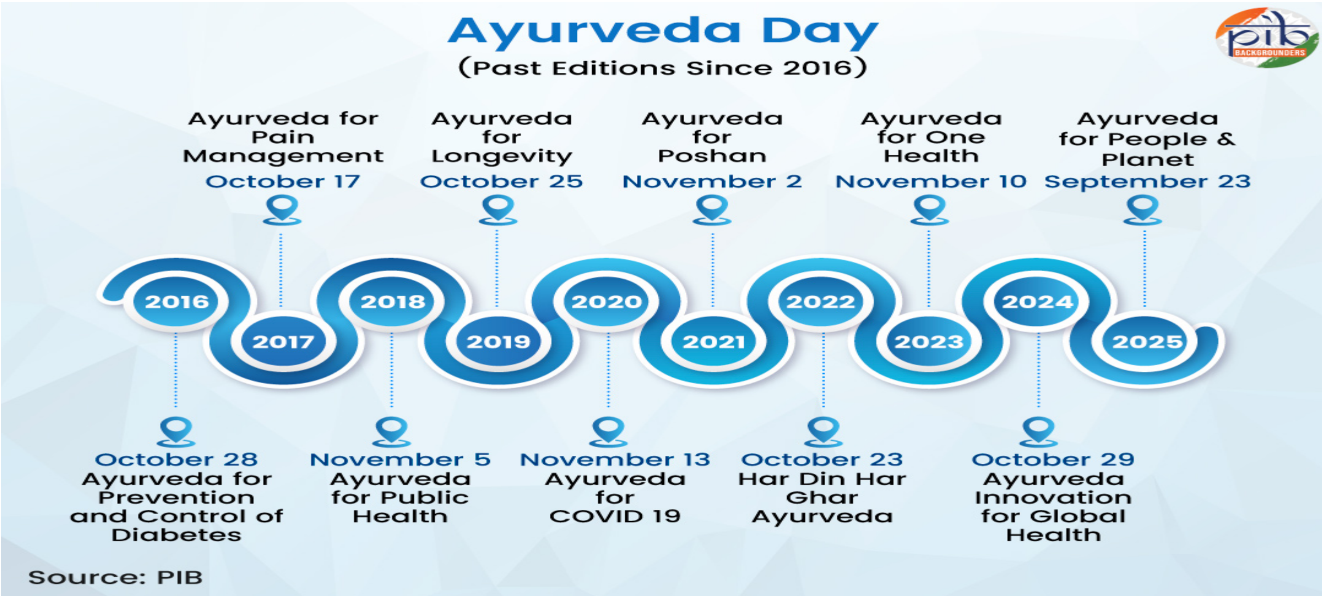

समाप्ति

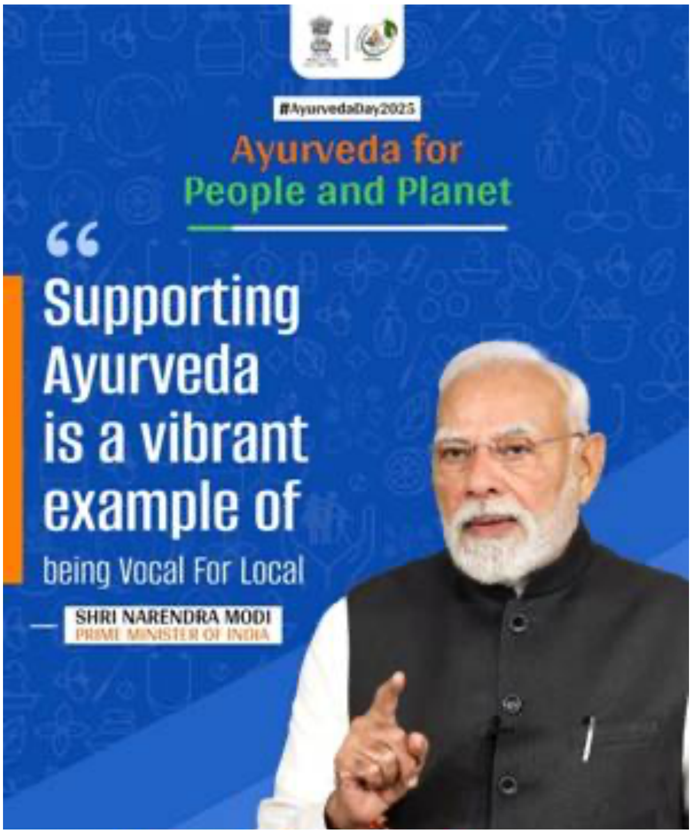

भारत ने 23 सितंबर को आयुर्वेद दिवस के रूप में नामित करते हुए आयुर्वेद को वैश्विक कैलेंडर की पहचान दी है। 2025 की थीम, 'मानव और धरती के लिए आयुर्वेद', वैश्विक कल्याण और एक स्वस्थ ग्रह के लिए आयुर्वेद की पूरी क्षमता का उपयोग करने और इसे जीवनशैली संबंधी विकारों, जलवायु संबंधी बीमारियों और तनाव जैसी आधुनिक वैश्विक चुनौतियों के व्यवहार्य समाधान के रूप में प्रदर्शित करने के हमारे सामूहिक संकल्प को दर्शाती है।

जागरूकता अभियानों और युवाओं की भागीदारी से लेकर कल्याण परामर्श और अंतरराष्ट्रीय सहयोग तक की गतिविधियों के साथ, यह कार्यक्रम आयुष मंत्रालय के नेतृत्व में एक समन्वित राष्ट्रीय प्रयास को दर्शाता है। अपार विकास संभावनाओं के साथ एक अरब डॉलर के उद्योग के रूप में, आयुर्वेद स्थानीय और वैश्विक स्तर पर गति प्राप्त कर रहा है। समग्र स्वास्थ्य, निवारक देखभाल और टिकाऊ जीवन का समर्थन करके, आयुर्वेद दिवस इस प्राचीन विज्ञान को कल्याण और लचीलेपन के वैश्विक प्रकाश स्तंभ के रूप में स्थापित करने के भारत के दृष्टिकोण की पुष्टि करता है।

पीके/केसी/एसकेएस/एसके

संदर्भ

पत्र सूचना कार्यालय:

- https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2160853
- https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2131618
- https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2090365
- https://www.pib.gov.in/newsite/PrintRelease.aspx?relid=153080
- https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1994921
- https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2043452

अन्य :

- https://www.pmindia.gov.in/en/news_updates/pms-address-at-valedictory-session-of-9th-world-ayurveda-congress-in-goa/?comment=disable
- https://www.coherentmarketinsights.com/industry-reports/global-traditional-medicine-market
- https://www.indiainnewyork.gov.in/yogaday/about.html
- https://x.com/mdniy/status/1966461526568775718/photo/1
- https://www.fitm.ris.org.in/sites/fitm.ris.org.in/files/Publication/Aayush-Newsletter-March-2025.pdf (पृष्ठ 3)